भाग अ – परिचय				
कार्यक्रम : द्विवर्षीय उपाधि		कक्षा : एम.ए.	सत्रार्द्ध : प्रथम	सत्र : 2025-26
विषय : वेद				
1.	पाठ्यक्रम का कूट	PGT-VEDA1		
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	देवताज्ञान		
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार	मुख्य विषय (प्रथम प्रश्नपत्र)		
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यदि कोई हो)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय – वेद में त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की हो।		
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	1. छात्र मन्त्रों के देवता का ज्ञान कर सकेगे। 2. छात्र सूक्तों के देवता का निर्णय कर सकेगे। 3. छात्र देवता निर्णय के संशयों से मुक्त हो सकेंगे। 4. छात्र देवता ज्ञान के महत्त्व को समझ सकेंगे।		
6.	क्रेडिट मान	05 क्रेडिट		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 40+60		न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 03 घंटे) : L-T-P		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	भारतीय प्राचीन ज्ञान परम्परा का निर्वचन शास्त्र निरुक्त – सप्तमाध्याय (1-2 पाद) **गतिविधि :** भारतीय निर्वचन परम्परा पर निबन्ध लेखन एवं प्रश्नोत्तरी	15
2	निरुक्त – सप्तमाध्याय (3-4 पाद) **गतिविधि :** सप्तम अध्याय के अनुसार देवताओं की संगति का सूचीकरण	15
3	निरुक्त – सप्तमाध्याय (5-7 पाद) **गतिविधि :** देवतओं के कार्य के अनुसार उनके विभाग का चार्ट निर्माण	15
4	भारतीय संकल्पना का देवशास्त्र बृहद्देवता - प्रथम अध्याय	15

	गतिविधि : देवता निर्णय पर आधारित प्रश्नोत्तरी	
5	बृहद्देवता - द्वितीय अध्याय, तृतीय अध्याय **गतिविधि :** देवता सम्बद्ध कथाओं का प्रस्तुतीकरण, प्राप्त ऋषिनामों का सूचीकरण	**15**

सार बिन्दु (की वर्ड)/टैग : वैदिक देवता, देवता, सूक्त देवता, मन्त्र देवता

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, सन्दर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रन्थ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री –

i. निरुक्तम्, मुकन्दझा बक्शी, निर्णयसागर, मुम्बई

ii. बृहद्देवता चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

2. **अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म वेबलिंक**

i. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतम अंक : 100
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 40 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 60

आन्तरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन(CCE) :	कक्षा परीक्षण असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण(प्रेजेंटेशन)	कुल अंक : 40
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय:	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक : 60

कोई टिप्पणी/सुझाव :

अ – परिचय				
कार्यक्रम : द्विवर्षीय उपाधि		कक्षा : एम.ए.	सत्रार्द्ध : प्रथम	सत्र : 2025-26
विषय : वेद				
1.	पाठ्यक्रम का कूट	PGT-VEDA2		
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	वैदिक सूक्त		
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार	मुख्यविषय (द्वितीय प्रश्नपत्र)		
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यदि कोई हो)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय – वेद में त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की हो।		
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	1. छात्र अध्ययन के अनन्तर देवताओं की प्रकृति के विषय में जान सकेंगें। 2. छात्र विभिन्न ऋषियों के विषय में अवगत हो सकेंगें। 3. छात्र मन्त्रों की दुरूह व्याख्या प्रक्रिया को समझते हुए मन्त्रार्थ कर सकेंगे। 4. छात्र कतिपय सूक्तों के माध्यम से वैदिक साहित्य की तत्त्व को जान सकेंगे।		
6.	क्रेडिट मान	05 क्रेडिट		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 40+60		न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 03 घंटे) : L-T-P		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	भारतीय ज्ञान का मूल आधार ऋग्वेद : अग्नि सूक्त 1.1 **गतिविधि :** अग्नि के सूक्तानुसार कार्यों का विभाजन परक सूचीकरण	15
2	ऋग्वेद : वाक्सूक्त 10.125 **गतिविधि :** वाक्सूक्त पर आधारित स्वरूप पर निबन्ध लेखन	15
3	ऋग्वेद : वरुण सूक्त 1.25 **गतिविधि :** देवता के कार्यो का सूचीकरण	15
4	ऋग्वेद : विष्णु सूक्त 1.154 **गतिविधि :** विष्णु के विविध नामों की व्युत्पत्तिपरक निबन्ध लेखन	15

5	ऋग्वेद : रुद्र सूक्त 1.114, इन्द्र सूक्त 2.12 **गतिविधि :** प्रश्नोत्तरी, इन्द्र के कार्यों की समीक्षा, इन्द्र के स्वरूप पर आधारित प्रश्नोत्तरी	**15**

सार बिन्दु (की वर्ड)/टैग : वैदिक सूक्त, सूक्त, वेद, ऋग्वेदीय सूक्त

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, सन्दर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. **अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रन्थ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री –**
   i. द न्यू वैदिक सिलेक्शन, चौबे एवं तैलंग, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी
   ii. वैदिकसूक्तसंग्रह, प्रो. देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर
2. **अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म वेबलिंक**
   i. http://vedicheritage.gov.in/

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतम अंक : 100
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 40 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 60

आन्तरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन(CCE) :	कक्षा परीक्षण असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण(प्रेजेंटेशन)	कुल अंक : 40
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय:	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक : 60

कोई टिप्पणी/सुझाव :

भाग अ – परिचय				
कार्यक्रम : द्विवर्षीय उपाधि		कक्षा : एम.ए.	सत्रार्द्ध : प्रथम	सत्र : 2025-26
विषय : वेद				
1.	पाठ्यक्रम का कूट	PGT-VEDA3		
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	वेद व्याख्या पद्धति		
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार	मुख्यविषय (तृतीय प्रश्नपत्र)		
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यदि कोई हो)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय – वेद में त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की हो।		
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	1. छात्र भारतीय विद्वानों द्वारा कृत व्याख्याओं को सूचीबद्ध कर सकेगा। 2. छात्र पाश्चात्य विद्वानों द्वारा कृत व्याख्यओं के वैशिष्ट्य को जान सकेगा। 3. छात्र प्राच्य एवं पाश्चात्य विद्वानों के कार्यों के वैशिष्ट्य में भेद कर सकेगा।		
6.	क्रेडिट मान	05 क्रेडिट		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 40+60		न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 03 घंटे) : L-T-P		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	सम्पूर्ण विश्व के ज्ञान के आधार भारतीय ग्रन्थ वेद व्याख्या की प्राच्य पद्धति **गतिविधि :** व्याख्यापद्धति का सूचीकरण एवं वैशिष्ट्य पर निबन्धलेखन	15
2	वेद व्याख्या की पाश्चात्य पद्धति **गतिविधि :** छात्रों द्वारा प्राच्य एवं पाश्चात्य भाष्यकारों के कार्यों के वर्गीकरण का चार्ट निर्माण एवं प्रश्नोत्तरी विधि पूर्वज्ञान का परीक्षण	15
3	वेद के प्राच्य भाष्यकारों/व्याख्याकारों के कार्य एवं परिचय – सायण, उव्वट, महीधर, वेंकटमाधव **गतिविधि :** वेद के प्रसिद्ध भाष्यकारों के जीवनवृत्त पर आधारित निबन्ध लेखन एवं उनके मूलस्थान एवं गुरुजनों का सूचीकरण करते हुए सम्बन्ध चित्र निर्माण	15

4	वेद के आधुनिक भाष्यकारों के कार्य एवं परिचय – दयानन्द, मधुसूदन ओझा, अरविन्द, आर.एन. दाण्डेकर, दामोदर सातवलेकर, कपाली शास्त्री **गतिविधि :** वेद के प्रसिद्ध भाष्यकारों के कार्य पर आधारित निबन्ध लेखन एवं उनके मूलस्थान एवं गुरुजनों का सूचीकरण करते हुए सम्बन्ध चित्र निर्माण	**15**
5	वेद के पाश्चात्य भाष्यकारों/व्याख्याकारों के कार्य एवं उनका परिचय : मैक्समूलर, लुडविग गेल्डनर, रॉथ, ग्रिफिथ, विल्सन, हिलेब्रान्ट **गतिविधि :** पाश्चात्य भाष्यकारों के निर्माण क्रम अनुसार प्रणीत ग्रन्थ एवं कार्यों पर समीक्षात्मक चिन्तन पूर्वक निबन्ध लेखन	**15**

सार बिन्दु (की वर्ड)/टैग : वेद के भाष्यकार, वेद की व्याख्या शैली, वेद के पाश्चात्य व्याख्याकार, वेद के प्राच्य व्याख्याकार

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, सन्दर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. **अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रन्थ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री –**
   i. वेदव्याख्यापद्धतय:, शशि तिवारी, प्रतिभा प्रकाशन, नई दिल्ली
   ii. संस्कृत साहित्य का बृहद् इतिहास, वेद खण्ड, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
2. **अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म वेबलिंक**
   ii. http://vedicheritage.gov.in/
   iii. https://swayam.gov.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतम अंक : 100
सतत व्यापक मूल्यांकन (**CCE**) अंक : 40 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (**UE**) अंक : 60

आन्तरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन(**CCE**) :	कक्षा परीक्षण असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण(प्रेजेंटेशन)	कुल अंक : 40
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय:	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक : 60

कोई टिप्पणी/सुझाव :

भाग अ – परिचय				
कार्यक्रम : द्विवर्षीय उपाधि		कक्षा : एम.ए.	सत्रार्द्ध : प्रथम	सत्र : 2025-26
विषय : वेद				
1.	पाठ्यक्रम का कूट	PGT-VEDA4		
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	वेदकालीन संस्कृति		
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार	मुख्यविषय (चतुर्थ प्रश्नपत्र)		
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यदि कोई हो)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय – वेद में त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की हो।		
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	1. छात्र अध्ययन के अनन्तर वेदकालीन वेशभूषा के विषय में अवगत हो सकेंगे। 2. छात्र विभिन्न भोजनपद्धतियों के एवं भोज्यपदार्थों के विषय में अवगत हो सकेंगे। 3. छात्र वेदकालीन व्यापार व्यवस्था को समझ सकेंगे। 4. छात्र वेदकालीन गृह उद्योगों से अवगत हो सकेंगे।		
6.	क्रेडिट मान	05 क्रेडिट		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 40+60		न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 03 घंटे) : L-T-P		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	भारतीय परम्परा में वैदिककालीन वेशभूषा, आवागमन व्यवस्था **गतिविधि :** भारतीय वेशभूषा पर आधारित चित्र निर्माण	15
2	भारतीय परम्परानुसार वैदिककालीन परिवार व्यवस्था, सांस्कृतिक धरोहर **गतिविधि :** भारतीय परिवार पर आधारित निबन्ध लेखन	15

3	भारतीय परम्परानुसार वैदिककालीन नागरीय एवं ग्राम्य जीवन **गतिविधि :** भारतीय परम्परानुसार नगर व्यवस्था पर आरेख निर्माण	**15**
4	भारतीय परम्परानुसार वैदिककालीन कृषि व्यवस्था एवं गृह उद्योग **गतिविधि :** भारतीय पारम्परिक कृषि पर निबन्ध लेखन	**15**
5	भारतीय परम्परा में वैदिककालीन व्यापार व्यवस्था एवं मुद्रा विनिमय **गतिविधि :** भारतीय व्यापार आरेख निर्माण	**15**

सार बिन्दु (की वर्ड)/टैग : वैदिक संस्कृति, वैदिक वेशभूषा, वेदकालीन परिवार, भाषा, खान-पान

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, सन्दर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. **अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रन्थ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री –**

i. संस्कृत साहित्य का बृहद् इतिहास, वेद खण्ड, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ

2. **अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म वेबलिंक**

i. http://vedicheritage.gov.in/

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (**CCE**) अंक : 40 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (**UE**) अंक : 60

आन्तरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन(**CCE**) :	कक्षा परीक्षण असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण(प्रेजेंटेशन)	कुल अंक : 40
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय:	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक : 60

कोई टिप्पणी/सुझाव :

भाग अ – परिचय				
कार्यक्रम : द्विवर्षीय उपाधि		कक्षा : एम.ए.	सत्रार्द्ध : द्वितीय	सत्र : 2025-26
विषय : वेद				
1.	पाठ्यक्रम का कूट	PGT-VEDA5		
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	वैदिक यज्ञ		
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार	मुख्यविषय (प्रथम प्रश्नपत्र)		
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यदि कोई हो)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय – वेद में त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की हो।		
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	1. छात्र वैदिक यागों का ज्ञान कर सकेगे। 2. छात्र श्रौत एवं स्मार्त याग में भेद कर सकेगे। 3. छात्र श्रौत यागों के प्रकार को समझ सकेंगे। 4. छात्र स्मार्त यागों के प्रकार को रेखांकित कर सकेंगे।		
6.	क्रेडिट मान	05 क्रेडिट		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 40+60		न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 03 घंटे) : L-T-P		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	यज्ञ की परिभाषा, प्रकार – श्रौत एवं स्मार्त, महत्त्व, यज्ञ के अधिकारी, स्मार्त यागों का परिचय एवं प्रयोगविधि के महत्त्वपूर्णांश, स्मार्त यागों का वैशिष्ट्य **गतिविधि :** भारतीय ज्ञान की यज्ञ परम्परा पर निबन्ध लेखन एवं प्रश्नोत्तरी	15
2	हविर्याग के प्रकार, महत्त्व एवं अनुष्ठान का समय **गतिविधि :** भारतीय परम्परा के मूल हविर्याग के अनुष्ठान काल के अनुसार चार्ट निर्माण	15
3	सोमयाग के प्रकृति एवं विकृति याग में, अनुष्ठान प्रक्रिया के महत्त्वपूर्णांश	15

	गतिविधि : विकृति यागों के भेद के अनुसार सूचीकरण पूर्वक आरेख निर्माण	
4	अत्यग्निष्टोम, उक्थ्य, षोडशी का परिचय एवं सम्पादन का प्रमुख भेद **गतिविधि :** यागों के भेद के अनुसार सूचीकरण पूर्वक आरेख निर्माण	**15**
5	वाजपेय, अतिरात्र, अप्तोर्याम का परिचय एवं सम्पादन का प्रमुख भेद **गतिविधि :** यागों के भेद के अनुसार सूचीकरण पूर्वक आरेख निर्माण	**15**

सार बिन्दु (की वर्ड)/टैग : वैदिक याग, श्रौतयाग, स्मार्त याग, सोमयाग

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, सन्दर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रन्थ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री –

i. कात्यायन यज्ञ पद्धति विमर्श, आचार्य मनोहर लाल द्विवेदी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली

ii. यज्ञतत्वप्रकाश, ले. चिन्नास्वामी शास्त्री, स. पट्टाभिराम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म वेबलिंक

iv. http://vedicheritage.gov.in/

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतम अंक : 100
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 40 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 60

आन्तरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन(CCE) :	कक्षा परीक्षण असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण(प्रेजेंटेशन)	कुल अंक : 40
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय:	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक : 60

कोई टिप्पणी/सुझाव :

अ – परिचय				
कार्यक्रम : द्विवर्षीय उपाधि		कक्षा : एम.ए.	सत्रार्द्ध : द्वितीय	सत्र : 2025-26
विषय : वेद				
1.	पाठ्यक्रम का कूट	PGT-VEDA6		
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	वैदिक संस्कार		
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार	मुख्यविषय (द्वितीय प्रश्नपत्र)		
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यदि कोई हो)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय – वेद में त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की हो।		
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	1. छात्र वैदिक संस्कारों के विषय में जान सकेंगे। 2. छात्र प्रमुख संस्कारों की सम्पादन के महत्त्व को समझ सकेंगे। 3. छात्र संस्कार विधि की वैज्ञानिकता को समझ सकेंगे। 4. छात्र जन सामान्य को श्राद्ध के महत्त्वपूर्ण अंशो से अवगत करा सकेंगे।		
6.	क्रेडिट मान	05 क्रेडिट		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 40+60		न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 03 घंटे) : L-T-P		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	पारस्करगृह्यसूत्र के अनुसार उपनयन संस्कार, मधुपर्कविधि के अवधेयांश **गतिविधि :** भारतीय ज्ञान परम्परा के आलोक में ब्रह्मचर्य जीवन पर निबन्ध लेखन	15
2	पारस्करगृह्यसूत्र के अनुसार विवाह संस्कार के प्रमुख सोपान **गतिविधि :** विवाह के सोपान का सूचीकरण एवं उपलब्ध मन्त्रों का विश्लेषण	15
3	पारस्करगृह्यसूत्र के अनुसार भोजनविधि, स्नानविधि, अग्निस्थापन के प्रमुखांश **गतिविधि :** भारतीय परम्परा के संस्कारों में विद्यमान वैज्ञानिक तथ्यों का संकलन एवं सूचीकरण	15
4	पारस्करगृह्यसूत्र के अनुसार गर्भाधान, सीमन्तोन्नयन, पुंसवन, जातकर्म, नामकरण एवं चूडाकरण संस्कार	15

	गतिविधि : भारतीय संस्कारों की सम्पादन प्रक्रिया के बिन्दुओं पर प्रश्नोत्तरी	
5	पारस्करगृह्यसूत्र के अनुसार एकोद्दिष्ट, पार्वण एवम् अन्य श्राद्धों के प्रमुख अवधेयांश **गतिविधि :** भारतीय परम्परा के अनुसार श्राद्ध की वैज्ञानिकता पर निबन्ध लेखन	**15**

सार बिन्दु (की वर्ड)/टैग : वैदिक संस्कार, उपनयन, ब्रह्मचर्य, विवाह, श्राद्ध

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, सन्दर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. **अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रन्थ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री –**
   i. पारस्करगृह्यसूत्रम्, जगदीश चन्द्र मिश्र, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
2. **अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म वेबलिंक**

i. http://vedicheritage.gov.in/

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतम अंक : 100
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 40 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 60

आन्तरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन(CCE) :	कक्षा परीक्षण असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण(प्रेजेंटेशन)	कुल अंक : 40
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय:	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक : 60

कोई टिप्पणी/सुझाव :

भाग अ – परिचय				
कार्यक्रम : द्विवर्षीय उपाधि		कक्षा : एम.ए.	सत्रार्द्ध : द्वितीय	सत्र : 2025-26
विषय : वेद				
1.	पाठ्यक्रम का कूट	PGT-VEDA7		
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	वैदिक साहित्य का परिचय		
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार	मुख्यविषय (तृतीय प्रश्नपत्र)		
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यदि कोई हो)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय – वेद में त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की हो।		
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	1. छात्र वेदों के आविर्भाव को जान सकेगा 2. छात्र वेदों के विभाग को समझ सकेगा। 3. छात्र वेदांगों के महत्त्व एवं विषय से परिचित हो सकेगा।		
6.	क्रेडिट मान	05 क्रेडिट		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 40+60		न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 03 घंटे) : L-T-P		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	सम्पूर्ण विश्व के ज्ञान के आधार भारतीय ग्रन्थ वेद की उत्पत्ति, विभाग, महत्त्व एवं वेदांगों की संख्या एवं नाम **गतिविधि :** वेद एवं वेदांग आधारित आरेख का निर्माण	15
2	ऋग्वेद एवं यजुर्वेद का परिचय **गतिविधि :** संहिता आधारित सम्पूर्ण साहित्य का सूचीकरण	15
3	सामवेद एवम् अथर्ववेद का परिचय **गतिविधि :** संहिता आधारित सम्पूर्ण साहित्य का सूचीकरण	15
4	छन्दः, कल्प, ज्योतिष का परिचय एवं महत्त्व **गतिविधि :** कल्प साहित्य का सम्बन्ध बोधक आरेख का निर्माण	15

5	व्याकरण, निरुक्त एवं शिक्षा का परिचय एवं महत्त्व **गतिविधि :** समीक्षात्मक चिन्तन पूर्वक निबन्ध लेखन एवं प्रश्नोत्तरी	**15**

सार बिन्दु (की वर्ड)/टैग : वेद, ऋग्वेद, वेदांग, ज्योतिष, कल्प

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, सन्दर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रन्थ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री –

i. वैदिक साहित्य और संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, शारदा प्रकाशन, वाराणसी

ii. संस्कृत साहित्य का बृहद् इतिहास, वेद खण्ड, उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ

2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म वेबलिंक

i. http://vedicheritage.gov.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 40 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 60

आन्तरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन(CCE) :	कक्षा परीक्षण असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण(प्रेजेंटेशन)	कुल अंक : 40
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय:	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक : 60

कोई टिप्पणी/सुझाव :

भाग अ – परिचय				
कार्यक्रम : द्विवर्षीय उपाधि		कक्षा : एम.ए.	सत्रार्द्ध : द्वितीय	सत्र : 2025-26
विषय : वेद				
1.	पाठ्यक्रम का कूट	PGT-VEDA8		
2.	पाठ्यक्रम का शीर्षक	ऋग्वेदेतर सूक्त		
3.	पाठ्यक्रम का प्रकार	मुख्यविषय (चतुर्थ प्रश्नपत्र)		
4.	पूर्वापेक्षा (Pre-requisite)(यदि कोई हो)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के लिए छात्र ने विषय – वेद में त्रिवर्षीय स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण की हो।		
5.	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	1. छात्र अध्ययन के अनन्तर देवताओं की प्रकृति के विषय में जान सकेंगें। 2. छात्र विभिन्न ऋषियों के विषय में अवगत हो सकेंगें। 3. छात्र मन्त्रों की दुरूह व्याख्या प्रक्रिया को समझते हुए मन्त्रार्थ कर सकेंगे। 4. छात्र कतिपय सूक्तों के माध्यम से वैदिक साहित्य के तत्त्व को जान सकेंगे।		
6.	क्रेडिट मान	05 क्रेडिट		
7.	कुल अंक	अधिकतम अंक : 40+60		न्यूनतम उत्तीर्णांक : 40

भाग ब – पाठ्यक्रम की विषयवस्तु		
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल-प्रायोगिक(प्रति सप्ताह – 03 घंटे) : L-T-P		
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
1	भारतीय ज्ञान का मूल आधार वेद - अथर्ववेद पृथिवीसूक्त (12.1) **गतिविधि :** सूक्तानुसार कार्यों का विभाजन परक सूचीकरण	15
2	यजुर्वेद : शिवसंकल्पसूक्त (34.1-6), नारायणसूक्त (31.17-22) **गतिविधि :** सूक्त पर आधारित निबन्ध लेखन	15
3	अथर्ववेद : रोगनिवारण सूक्त(1.12) **गतिविधि :** प्रमुख रोगो के नामों का सूचीकरण एवं उपायसंग्रहण	15

4	अथर्ववेद : पवमान सूक्त (4.37) **गतिविधि :** सूक्ताधारित सारसंग्रहण	**15**
5	शुक्लयजुर्वेद : रुद्र सूक्त (16.1-16.16) **गतिविधि :** रुद्र के स्वरूप पर आधारित प्रश्नोत्तरी	**15**

सार बिन्दु (की वर्ड)/टैग : वैदिक सूक्त, अथर्ववेदीय सूक्त, यजुर्वेदीय सूक्त

भाग स – अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, सन्दर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. **अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ ग्रन्थ/ अन्य पाठ्य संसाधन/ पाठ्य सामग्री –**

i. द न्यू वैदिक सिलेक्शन, चौबे एवं तैलंग, भारतीय विद्या प्रकाशन, वाराणसी

ii. वैदिकसूक्तसंग्रह, प्रो. देवेन्द्रनाथ पाण्डेय, जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर

iii. वैदिक सूक्त संग्रह, गीताप्रेस गोरखपुर

2. **अनुशंसित डिजिटल प्लेटफार्म वेबलिंक**

i. http://vedicheritage.gov.in/

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम :

भाग द – अनुशंसित मूल्यांकन विधियां

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां : लिखित परीक्षा, आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि
अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (**CCE**) अंक : 40 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (**UE**) अंक : 60

आन्तरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन(**CCE**) :	कक्षा परीक्षण असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण(प्रेजेंटेशन)	कुल अंक : 40
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय:	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक : 60

कोई टिप्पणी/सुझाव :